किसकी शरण में जाऊं

किसकी शरण में जाऊं अशरण शरण तुम्ही हो ॥

गज ग्राह से छुड़ाया प्रह्लाद को बचाया
द्रोपदी का पट बढ़ाया निर्बल के बल तुम्ही हो ॥

अति दीन था सुदामा आया तुम्हारे धामा
धनपति उसे बनाया निर्धन के धन तुम्ही हो ॥

तारा सदन कसाई अजामिल की गति बनाई
गणिका सुपुर पठाई पातक हरण तुम्ही हो ॥

मुझको तो हे बिहारी आशा है बस तुम्हारी
काहे सुरति बिसारी मेरे तो एक तुम्ही हो ॥

द्वारा :योगेश तिवारी

Source:
https://www.bharattemples.com/kiski-sharn-me-jaau-ashran-sharn-tumhi-ho/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw